## मुश्किल में किसानी, आय तो बढ़ी मगर खर्च भी ज्यादा

# आमदनी अठन्नी, खर्चा रुपया

### कई फसलों के उत्पादन पर आए खर्च का मुकाबला नहीं कर पा रहा सरकार की ओर से तय किया गया एम.एस.पी

**● कृषि विभाग का अनुमान, प्रदेश का किसान कमा रहा महीने के 39,802 रुपए, जबकि वर्ष 2014-15 में कमाई थी 29,030 रुपए**

PUNJAB KESARI SPECIAL

चंडीगढ़, 12 फरवरी (अर्चना सेठी) : हरियाणा में किसान की आय बेशक बढ़ी लेकिन दोगुनी नहीं हो सकी। प्रदेश सरकार ने किसानों से फसलों की खरीद के लिए जो न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम.एस.पी.) तय किया, वह भी बहुत सी फसलों के उत्पादन पर आए खर्च का मुकाबला नहीं कर पा रहा। कृषि विशेषज्ञों की मानें तो किसानों की आमदनी फसलों की पैदावार पर हो रहे पैसे की खपत की तुलना में काफी कम है। बीज, खाद, कीटनाशक, उपकरण और खेतों में मजदूरी के बढ़ते दाम किसानों की कमर तोड़ रहे हैं। हरियाणा कृषि विभाग द्वारा तैयार किए आंकड़ों की मानें तो हरियाणा में मौजूदा समय में किसान महीने में 39,802 रुपए कमा रहा है, जबकि वर्ष 2014-15 में किसान की मासिक आय 29,030 रुपए थी। वर्ष 2017-18 में किसान की महीने की कमाई 34,835 रुपए का औसतन रिकार्ड तैयार किया गया है।

#### बढ़ गया किसान पर फसल उत्पादन का खर्च

हरियाणा के कृषि विशेषज्ञों का कहना हैं कि प्रत्येक किसान की खेती उत्पादन, आमदनी उसकी फसल, मौजूद उपकरण, बीज, सिंचाई के तरीके, मजदूरी के खर्च पर निर्भर करती है। फसल की पैदावार पर कितना खर्च आता है, जमीन किसान की खुद की है या किराये पर ली है, खेत में कितने मजदूरों की जरूरत है, खाद, कीटनाशक और कटाई पर कितना खर्च कर रहा है और फसल को कटाई के बाद कहां भेज रहा है या कहीं स्टोर कर रहा है। इन चीजों को ध्यान में रख कर ही किसान की आमदनी का अनुमान लग सकता है।

#### एक किसान साल में बीजता है दो फसलें

प्रदेश में एक किसान साल में 2 फसलें बीजता है। ज्यादातर किसान गेहूं, धान, सरसों, बाजरा, कपास और गेहूं बीजता है। गेहूं व धान वाला किसान एक हैक्टेयर जमीन पर गेहूं बीजने पर 45 क्विंटल की उपज पर 2125 रुपए न्यूनतम समर्थन मूल्य पाता है और किसान महीने में औसतन 16468 रुपए कमाता है। साल भर में किसान तकरीबन 1,97,625 रुपए कमाता है।

सरसों व बाजरा वाला किसान अगर एक हैक्टेयर जमीन पर 20 क्विंटल बाजरा पैदा करता है और उसके 2350 रुपए न्यूनतम समर्थन मूल्य के पाता है और किसान को महीने की औसतन आमदनी 12091 रुपए होती है। साल भर में किसान करीब 1,45,100 रुपए कमाता है। कपास व गेहूं बीजने वाला एक हैक्टेयर जमीन पर कपास बीजता है तो 120 क्विंटल के उत्पादन पर 6080 रुपए पाता है और महीने की औसतन 14048 रुपए आमदनी होती है। साल में किसान 1,68,585 रुपए कमाता है।

#### आमदनी वर्ष 2014-15

वर्ष 2014-15 में गेहूं व धान उगाने वाले किसान को 10118.8 रुपए की मासिक व 121425.1 रुपए वार्षिक आमदनी होती थी। सरसों व गेहूं लगाने वाले किसान की महीने की कमाई 8512.50 रुपए और वार्षिक कमाई 102149.50 रुपए आमदनी थी। गेहूं व कपास लगाने वाला किसान महीने के 9961.60 रुपए और वार्षिक 119539.0 रुपए कमाता था।

*● केंद्र के सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जुलाई 2018 से जून 2019 में किए गए सिचुएशन असेसमैंट सर्वे की रिपोर्ट के मुताबिक **हरियाणा में किसान की मासिक आमदनी 22,841 रुपए है।***

#### बढ़ गए किसानों के खर्च



**हिसार** के लाडवा गांव के किसान और एग्रीनर फार्मर प्रोड्यूस ऑर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष विजय श्योराण का कहना है कि किसान की आय उसकी मेहनत की वजह से बढ़ी जरूर है लेकिन दोगुनी नहीं हुई क्योंकि बीज, खाद, कीटनाशकों के दाम आसमान छू रहे हैं। मजदूरों से काम करवाना है तो एक दिन का 500 रुपए किसान को देने पड़ते हैं। जहां की जमीन उपजाऊ है और पानी आसानी से मिल रहा है, वह किसान तो फसल उत्पादन से अच्छा कमा रहा है लेकिन दूसरे किसानों की कमाई कम और लागत ज्यादा हो गई है।

किसानो की आय तेजी से बढ़ रही है। सरकार मेरी फसल मेरा ब्यौरा, फसल बीमा योजना, मेरा पानी मेरी विरासत, भावांतर भरपाई, हर खेत स्वस्थ खेत जैसी योजनाओ के जरिए लाखो किसानों को करोड़ो की सहायता दे रही है। पारंपरिक फसलों की बजाए जरूरत की फसलो की बिजाई के लिए कहा जा रहा है। धान की बजाए दालें, गन्ना, कपास, मोटा अनाज, स्ट्राबेरी, मक्का, बाजरा की खेती के लिए कहा जा रहा है। किसानो को फसल विविधिकरण से जोड़ने के लिए उन्हें 7000 रु. प्रति एकड़ भी दे रहे हैं। मिट्टी को स्वस्थ एवं उर्वरक बनाने के तरीके भी सिखाए जा रहे हैं। **-डॉ. नरहरि सिंह बांगड़, कृषि महानिदेशक, हरियाणा।**

#### प्रदेश में किसान परिवारों की संख्या व जमीन का ब्यौरा

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| किसान परिवार | 11.16लाख | 4.7 लाख | 41 हजार | कुल16.28 लाख |
| जमीन | 02 हैक्टेयर तक जमीन | 02 से 10 हैक्टेयर के बीच जमीन | 10 से 20 हैक्टेयर के बीच जमीन | 02 से 20 हैक्टेयर के बीच जमीन |

#### फसलों का प्रति हैक्टेयर उत्पादन खर्च

| गेहूं | खर्च |
|---|---|
| बिजाई, मजदूरी, सिंचाई, खाद, कटाई | 60.976 रु. |
| जमीन खर्च | 43,470 रु. |
| कुल | 104446 रु. |
| प्रति क्विंटल उत्पादन खर्च | 2100 रु. |
| 2022-23 न्यूनतम समर्थन मूल्य | 2125 रु. |
| 2021-22 न्यूनतम समर्थन मूल्य | 2015 रु. |
| **2. धान** | |
| बिजाई, मजदूरी, सिंचाई, खाद, कटाई | 74,720.66 रु. |
| जमीन खर्च | 42,435.00 रु. |
| कुल | 117155.66 रु. |
| धान का प्रति क्विंटल उत्पादन खर्च | 2523 रु. |
| 2022-23 न्यूनतम समर्थन मूल्य | 2040 रु. |
| 2021-22 न्यूनतम समर्थन मूल्य | 1940 रु. |
| **3. बाजरा** | |
| बिजाई, मजदूरी, सिंचाई, खाद, कटाई | 24101.26 रु. |
| (ख) जमीन खर्च | 24840.00 रु. |
| कुल | 48941.26 रु. |
| प्रति क्विंटल उत्पादन खर्च | 2266 रु. |
| 2022-23 न्यूनतम समर्थन मूल्य | 2350 रु. |
| 2021-22 न्यूनतम समर्थन मूल्य | 2250 रु. |
| **4. मक्का** | |
| बिजाई, मजदूरी, सिंचाई, खाद, कटाई | 34870.79 रु. |
| जमीन खर्च | 27945.00 रु. |
| कुल | 62815.79 रु. |
| प्रति क्विंटल उत्पादन खर्च | 2302 रु. |
| 2022-23 न्यूनतम समर्थन मूल्य | 1962 रु. |
| 2021-22 न्यूनतम समर्थन मूल्य | 1870 रु. |
| **5. कपास** | |
| बिजाई, मजदूरी, सिंचाई, खाद, कटाई | 57794.45 रु. |
| जमीन खर्च | 32085.00 रु. |
| कुल | 89879.45 रु. |
| प्रति क्विंटल उत्पादन पर खर्च | 6413 रु. |
| 2022-23 न्यूनतम समर्थन मूल्य | 6080 रु. |
| 2021-22 न्यूनतम समर्थन मूल्य | 5726 रु. |